TIMES OF INDIA, Ahmedabad, 22.12.2023
Page No. 2, Size:(10.83)cms X (9.56)cms.

Bullet train hub in Sabarmati gets 700kW solar plant

Times News Network

Ahmedabad: The Sabarmati multi-modal transit hub building in Ahmedabad has got solar power panels installed with a 700kW peak (kWp) capacity. The Sabarmati hub is a multi-modal transit building which will provide connectivity from the high-speed rail system with other transport modes such as the Indian Railways, metro, Bus Rapid Transit System and roads. The Sabarmati hub is the originating station for the bullet train from Ahmedbad.

Officials of the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), which is executing the Mumbai-Ahmedabad high speed rail corridor, said the Sabarmati hub has become the first entity in the Gujarat to secure approval for net-metering under RESCO (Renewable Energy Service Company) and has received registration from the Gujarat Energy Development Agency (GEDA).

The solar plant is expected to generate about 10 lakh units of green electricity annually, with zero investment and maintenance costs incurred by NHSRCL for a period of 25 years. The solar photovoltaic (PV) project has been contracted at a rate of Rs 3.9 per unit for the next 25 years. This is lower than the current DISCOM rate of approximately Rs 11 per unit.

NHSRCL said that with registration of its first roof-top solar project, NHSRCL is geared up for more such projects in upcoming stations, building, depots and sheds throughout the project alignment.

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 22.12.2023
Page No. 1, Size:(23.27)cms X (13.51)cms.

The building constructed as part of the bullet train project will connect Metro, BRTS and ST

700 kilowatt solar plant installed on Sabarmati Multimodal Transit Hub building, generating 10 lakh units of electricity per year

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના ભાગરૂપે તૈયાર કરાયેલું બિલ્ડિંગ મેટ્રો, બીઆરટીએસ તેમજ એસટીને કનેક્ટ કરશે

સાબરમતી મલ્ટિમોડલ ટ્રાન્ઝિટ હબ બિલ્ડિંગ પર 700 કિલો વોટનો સોલર પ્લાન્ટ સ્થપાયો, દર વર્ષે 10 લાખ યુનિટ વીજળીનું ઉત્પાદન થશે

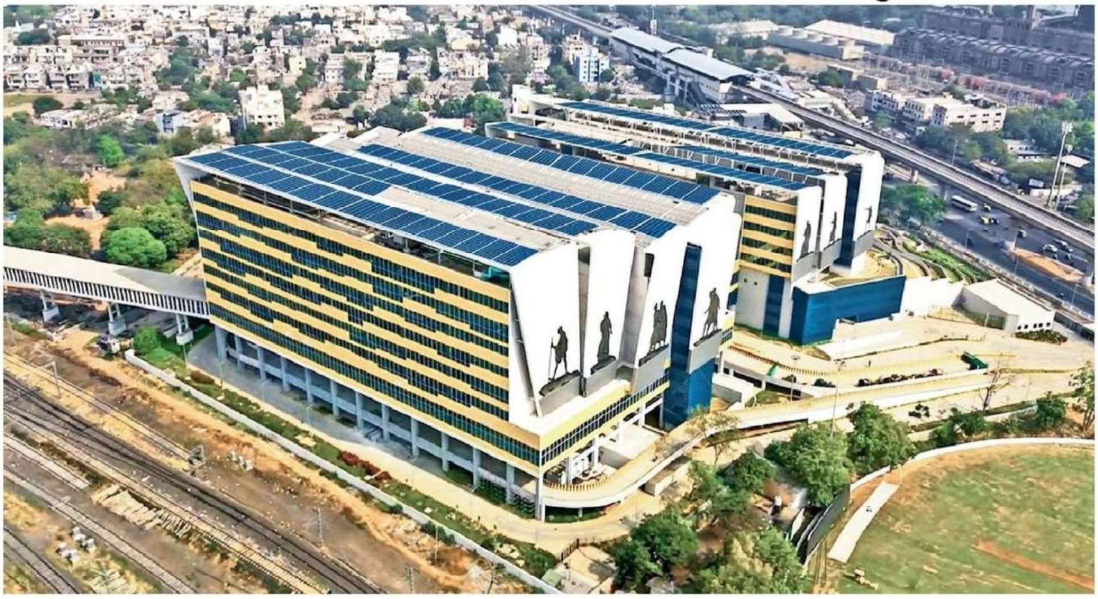

ગ્રીન એનર્જીને પ્રોત્સાહન માટે હવે તમામ સ્ટેશન પર સ્થપાશે

ભાસ્કર ન્યૂઝ | અમદાવાદ

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના ભાગરૂપે સાબરમતી ખાતે મલ્ટિ મોડેલ ટ્રાન્ઝિટ હબ બિલ્ડિંગ તૈયાર થઈ ગયું છે. આ બિલ્ડિંગ પર 700 કિલો વોટનો સોલર પાવર પ્લાન્ટ ઊભો કરાયો છે. આ હબ બુલેટ ટ્રેન ઉપરાંત રેલવે સ્ટેશન, મેટ્રો, બીઆરટીએસ અને એસટી બસને પણ જોડે છે. નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશનના દાવા મુજબ આ સોલર પ્લાન્ટથી 2.73 કરોડની બચત થઈ છે. આ પ્લાન્ટથી દર વર્ષે અંદાજે 10 લાખ યુનિટ ગ્રીન એનર્જીનું ઉત્પાદન થવાની શક્યતા છે.

રેસ્કો મોડ હેઠળ અમલમાં મૂકવામાં આવેલા સોલર ફોટોવોલ્ટિક પ્રોજેક્ટ માટે આ પ્લાન્ટ સ્થાપનારી કંપની સાથે 25 વર્ષના કરાર કરવામાં આવ્યા છે. કરાર મુજબ કંપની નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશનને યુનિટ દીઠ રૂ.9ના ભાવે વીજળી પૂરી પાડશે.

હાલના પ્રતિ યુનિટ રૂ.11ની કિંમત કરતાં આ દર ઓછા છે. કોર્પોરેશને આ પ્રથમ રૂફ ટોપ સોલર પ્રોજેક્ટ સ્થાપ્યો છે. હવે પછી તમામ સ્ટેશનો, બિલ્ડિંગો, ડેપો અને શેડમાં પણ ગ્રીન એનર્જીને પ્રોત્સાહન આપવા માટે સોલર રૂફ ટોપ પ્લાન્ટ સ્થાપવાની યોજના છે.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 22.12.2023

Page No. 3, Size:(14.38)cms X (5.94)cms.

बढ़ते कदम | 700 किलोवाट का रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट

साबरमती मल्टीमॉडल ट्रांजिट हब बिल्डिंग सूर्यशक्ति से लैस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. साबरमती मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब बिल्डिंग सौर ऊर्जा से संचालित होगी। यहां पर नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेस्को) मोड के तहत 700 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। साबरमती हब एक मल्टी-मॉडल ट्रांजिट बिल्डिंग है जो हाई स्पीड रेल (एचएसआर) प्रणाली के साथ रेलवे स्टेशन, मेट्रो, बीआरटी और सड़क परिवहन जैसे अन्य साधनों को बिना रुकावट के कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का क्रियान्वयन कर रही कंपनी नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) गुजरात की पहली ऐसी इकाई बन गई है, जिसने रेस्को मोड में नेट-मीटरिंग के लिए अनुमोदन और गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) की ओर से पंजीकरण प्राप्त प्राप्त किया है।

बनेगी 10 लाख यूनिट हरित ऊर्जा

- रेस्को मोड के तहत पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में 2.73 करोड़ रुपए की पर्याप्त बचत हुई है जिसका उपयोग रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने में किया गया है।
- सोलर प्लांट से सालाना लगभग 10 लाख यूनिट हरित ऊर्जा उत्पन्न होने की संभावना है। इसमें एनएचएसआरसीएल की ओर से 25 वर्षों की उल्लेखनीय अवधि के लिए शून्य निवेश और रखरखाव लागत होगी।
- रेस्को मोड के तहत कार्यान्वित, सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) परियोजना को अगले 25 वर्षों के लिए 3.9 प्रति यूनिट की दर पर अनुबंधित किया गया है।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 22.12.2023
Page No. 3, Size:(11.48)cms X (8.07)cms.

बढ़ते कदम | 700 किलोवाट का रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट

मल्टीमॉडल ट्रांजिट हब बिल्डिंग में सूर्यशक्ति

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. साबरमती मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब बिल्डिंग सौर ऊर्जा से संचालित होगी। यहां पर नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेस्को) मोड के तहत 700 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है।

साबरमती हब एक मल्टी-मॉडल ट्रांजिट बिल्डिंग है जो हाई स्पीड रेल (एचएसआर) प्रणाली के साथ रेलवे स्टेशन, मेट्रो, बीआरटी और सड़क परिवहन जैसे अन्य साधनों को बिना रुकावट के कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का क्रियान्वयन कर रही कंपनी नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) गुजरात की पहली ऐसी इकाई बन गई है, जिसने रेस्को मोड में नेट-मीटरिंग के लिए अनुमोदन और गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) की ओर से पंजीकरण प्राप्त प्राप्त किया है।

बनेगी 10 लाख यूनिट हरित ऊर्जा

- सोलर प्लांट से सालाना लगभग 10 लाख यूनिट हरित ऊर्जा उत्पन्न होने की संभावना है। इसमें एनएचएसआरसीएल की ओर से 25 वर्षों की उल्लेखनीय अवधि के लिए शून्य निवेश और रखरखाव लागत होगी।
- रेस्को मोड के तहत कार्यान्वित, सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) परियोजना को अगले 25 वर्षों के लिए 3.9 प्रति यूनिट की दर पर अनुबंधित किया गया है।
- रेस्को मोड के तहत पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में 2.73 करोड़ रुपए की पर्याप्त बचत हुई है जिसका उपयोग रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने में किया गया है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Surat, 22.12.2023
Page No. 2, Size:(7.34)cms X (9.09)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: बिजली बचाने की कवायद

सभी स्टेशनों में सोलर एनर्जी का उपयोग होगा, साबरमती में पहला प्लांट लगाया

सूरत | अंत्रोली में बन रहे सूरत समेत सभी 12 हाई स्पीड रेल स्टेशन सोलर एनर्जी से संचालित किए जाएंगे। इसके लिए गुजरात में सबसे पहले अहमदाबाद में साबरमती मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब (एमएमटीएच) बिल्डिंग में (नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी) रेस्को मोड के तहत 700 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। साबरमती मल्टी-मॉडल ट्रांजिट हब एक ऐसी बिल्डिंग है, जो एचएसआर सिस्टम के साथ रेलवे स्टेशन, मेट्रो, बीआरटीएस और सड़क परिवहन जैसे अन्य साधनों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बना रही कंपनी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल), गुजरात राज्य की पहली इकाई बन गई है, जिसने रेस्को मोड में नेट-मीटरिंग के लिए अनुमोदन और गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) द्वारा पंजीकरण प्राप्त किया है।

उल्लेखनीय है कि इस पहल से पूंजीगत व्यय (में 2.73 करोड़ रुपए की बचत हुई है, जिसका उपयोग रूफ टॉप सोलर प्लांट इंस्टॉल करने में किया गया है। सोलर प्लांट से सालाना लगभग 10 लाख यूनिट ग्रीन एनर्जी उत्पन्न होने की उम्मीद है। इसमें एनएचएसआरसीएल की तरफ से 25 वर्षों की अवधि के लिए किए जाने वाले निवेश और रखरखाव की लागत शून्य होगी।